

लखनऊ से हल्द्वानी तक की राह आसान बनाएगा गोमती एक्सप्रेसवे

300 किमी लंबे एक्सप्रेसवे के निर्माण पर आएगी 13,670 करोड़ रुपये की लागत

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। स्टेट कैपिटल रीजन (एससीआर) प्रोजेक्ट और एलडीए के इंटीग्रेटेड इंफ्रास्ट्रक्चर प्लान के तहत यूपी को एक और बड़े एक्सप्रेसवे की सौगात मिलेगी। लखनऊ को हल्द्वानी (उत्तराखंड) और नेपाल सीमा से जोड़ने के लिए 300 किमी लंबे गोमती एक्सप्रेसवे का खाका तैयार किया गया है। इस परियोजना की लागत 13,670 करोड़ रुपये है।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) को परियोजना की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह एक्सप्रेसवे यूपी-उत्तराखंड के बीच पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा देगा। इससे दुधवा नेशनल पार्क, हल्द्वानी और नैनीताल के लिए सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। लखनऊ



से उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों और नेपाल सीमा तक का सफर आसान और कम समय में पूरा हो सकेगा।

एक्सप्रेसवे बनने से यातायात सुगम होने के साथ रूट पर पड़ने वाले जिलों में औद्योगिक विकास की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। इसका निर्माण कार्य वर्ष 2027 से शुरू होगा और 2036 तक पूरा होगा। जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

राजधानी में बनेगा नया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा

एलडीए के अफसरों के अनुसार राजधानी में छह हजार एकड़ जमीन पर भव्य और अत्याधुनिक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी बनाया जाएगा। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की इस परियोजना की अनुमानित लागत 12,800 करोड़ रुपये है। वर्ष 2036 तक इसका काम पूरा करने का लक्ष्य है। एलडीए के विजन प्लान 2036 में भी इसे दीर्घकालिक परियोजना के रूप में शामिल किया गया है। नए हवाई अड्डे की सबसे बड़ी खासियत इसका 4.7 किमी लंबा रनवे होगा। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (अमौसी) का रनवे सिर्फ 2.72 किमी है। यह अंतरराष्ट्रीय विमानों और कार्गो संचालन के लिए पर्याप्त नहीं है। नया रनवे बनने से लखनऊ से अमेरिका, यूरोप और अन्य दूरस्थ देशों के लिए सीधी उड़ानें संभव हो सकेंगी। अमौसी हवाई अड्डे को पूरी तरह कार्गो टर्मिनल में बदला जाएगा। इसे देश का सबसे आधुनिक कार्गो हब बनाया जाएगा। यह कदम यूपी के आर्थिक विकास को गति देगा।



शहर के विकास को गति देने के लिए एससीआर और इंटीग्रेटेड इंफ्रास्ट्रक्चर के तहत आवागमन को आसान करने की कई योजनाएं बनाई गई हैं। शासन में इनका प्रेजेंटेशन हो चुका है। इन योजनाओं के पूरा होने से प्रदेश और शहरवासियों को काफी राहत होगी। - प्रथमेश कुमार, वीसी एलडीए